नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 07.09.2019

प्रकाशनार्थ

सृष्टि के विकास के साथ भाषा की महत्ता बढ़ती गई। भाषा की भूमिका हर समाज के लिए अपरिहार्य रही है। **भाषा संस्कृति और सभ्यता की अभिव्यक्तिकरण है। वैश्विक युग में भाषा प्राणदायिनी के समान है।** भाषा केवल विचार ही नही जीवन भी है। भाषा हमारे विचारों के संप्रेषण भाषा भावों का वाटिका और विचारों की माध्यम होती है। अतएवं किसी भी जाति अथव राष्ट्र की भावों और विचारों की समर्थता उसकी भाषा से स्पष्ट होती है। भाषा व्यक्ति को व्यक्ति से, जाति को जाति से और राष्ट्र से राष्ट्र को मिलाती है। भारत में अग्रेंजी भाषा का वर्चस्व अनिवार्यता के कारण संचार सूचना या विचारों को साझा या विनिमय करना है। यह विनिमय गैर मौखिक तरीक से या लिखित शब्दों के साथ हो सकता है। हम सबके पास हाव–भाव की भाषा हमारी शारीरिक हमचलें भी एक्सप्रेशन का एक माध्यम है। जैसे हमारे हाथ, उंगलियाँ, आंखो की गति आदि अक्सर गैर मौखिक तरीके से एक भावना या भावना को व्यक्त किया जा सकता है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में **'लैंग्वेज एज टूल ऑफ कम्यूनिकेशन'** विषय पर बताते हुये मदन मोहन मालवीय तकनीक विश्वविद्यालय के अंग्रेजी मानविकी और प्रबंधन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर **डॉ. सुधीर नारायण सिंह** ने कही।

उन्होंने आगे कहा कि संचार सभी रिश्तों के लिये महत्वपूर्ण है चाहे वह व्यक्तिगत हो या पेशेवर। इस प्रकार प्रभावी संचार चुनौती को आसान बनाता है और एक पारदर्शी वातावरण बनाता है जोहर कोई संचार, काम से संबधित सलाह ओद–आवाज या राय देने के लिये स्वतत्र महसूस करता है। आगे भाषा को परिभाषित करते हुए कहा कि भाषा शब्दों में व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति है। यह सामान्य तथ्यों और रोजमरी की जिंदगी भावनाओं को और दार्शनिकों की भावनाओं को ''सत्य के बाद खोज'' और उन सबके बीच समान रूप से व्यक्त करने के लिये एक जैसा है।

कार्यक्रम का आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रमुख श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया तथा संचालन सुश्री अंजू त्रिपाठी ने किया। व्याख्यान ने अंग्रेजी विभाग के तीनों वर्षों के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी